

या खराब हो जाती है जैसे- गर्द, धूल, कोयला आदि मुहा. हाथ का मैल- तुच्छ वस्तु।

**मैल-खोरा** वि. (तद्.+फा.) 1. मैल को साफ करने वाला, साबुन आदि पुं. काठी या जीन के नीचे रखा जाने वाला नमदा।

**मैला** वि. (देश.) 1. जिस पर मैल लगी हो, अस्वच्छ गंदा 2. दोष, विकार आदि से युक्त पुं. 1. विष्ठा 2. कूड़ाकरकट।

**मैला-कुचैला** वि. (देश.) 1. बहुत अधिक मैला या गंदा 2. मैलयुक्त (शरीर) व गंदगी युक्त (वस्त्र)।

**मैला-घर** पुं. (देश.) वह सार्वजनिक स्थान जहाँ गाँव, शहर या बस्ती, मुहल्ले का कूड़ा-करकट व विष्ठा आदि भी डाला जाता है।

**मैलान** पुं. (अर.) 1. आकर्षण 2. रुचि, प्रवृत्ति।

**मैलापन** पुं. (देश.) 1. मैले होने की अवस्था या भाव 2. मलिनता, गंदापन।

**मैशिनरी** स्त्री. (अं.) मशीनरी।

**मैहर** पुं. (देश.) 1. मक्खन को तपाने के बाद निकला हुआ मट्ठा 2. घी की तलछट।

**मों सर्व.** (देश.) 1. व्रजभाषा में 'मैं' कर्ता से भिन्न अन्य कारकों में विभक्ति लगाने से पूर्व का बना हुआ रूप जैसे- मोंको आदि 2. मुझे, मुझको 3. अव्य. में उदा. खोले कपट महल मों जा हीं-कबीर।

**मोंगरा** पुं. (देश.) मोगरा, मुंगरा।

**मोंगला** पुं. (देश.) मध्यम श्रेणी का केसर।

**मोंछ** स्त्री. (देश.) मूँछ।

**मोंड़ा** पुं. (देश.) 1. पुत्र 2. बालक।

**मोंढा** पुं. (देश.) 1. बाँस, सरकंडे या बेंत से बना एक प्रकार का गोलाकार आसन, माँचा 2. बाहु के जोड़ के पास कंधे का घेरा, कंधा।

**मो सर्व.** (देश.) 1. मेरा 2. अवधी व ब्रजभाषा में कर्ता कारक से भिन्न मैं का वह रूप जो अन्य कारकों में विभक्ति लगाने से पहले प्राप्त होता है जैसे- मोको, मोसों आदि।

**मोई** स्त्री. (देश.) घी या दूध में सना हुआ आटा।

**मोकदमा** पुं. (फा.) मुकदमा।

**मोकना** स.क्रि. (तद्.) 1. छोड़ना 2. परित्याग करना 3. फेंकना।

**मोकराना** स.क्रि. (देश.) मोकना, मुक्त करना।

**मोकल** वि. (देश.) स्वच्छंद, बंधनमुक्त।

**मोकलना** स.क्रि. (देश.) भेजना।

**मोकला** वि. (देश.) 1. अधिक चौड़ा 2. खुला हुआ 3. बहुत, यथेष्ट, पर्याप्त।

**मोका** पुं. (देश.) 1. मौका 2. मोखा।

**मोक्ष** पुं. (तत्.) 1. बंधन से छूटना, खुलना, छुटकारा 2. जीवन-मरण के बंधन से छूटना, मुक्ति 3. गिरना, झड़ना 4. फेंकना (बाण) 5. पाटलिका पेड़।

**मोक्षक** वि. (तत्.) 1. मुक्ति या छुटकारा देने वाला पुं. 2. मोखा का पेड़, मुष्कक।

**मोक्षण** पुं. (तत्.) 1. मुक्त करने की क्रिया या भाव, छोड़ना 2. खोलना 3. त्याग 4. गिराना (आँसू) 5. फेंकना।

**मोक्षद** वि. (तत्.) मोक्ष देने वाला, मोक्षदायक।

**मोक्षदा** वि. (तत्.) 1. मोक्ष देने वाली, मोक्षदायिका 2. अगहन शुक्ल पक्ष की एकादशी की संज्ञा।

**मोक्षदेव** पुं. (तत्.) चीनयात्री ह्वेनसांग का एक भारतीय नाम।

**मोक्षद्वार** पुं. (तत्.) 1. मुक्ति का द्वार 2. काशी तीर्थ 3. सूर्य।

**मोक्ष-पति** पुं. (तत्.) (संगीत) ताल के साथ मुख्य भेदों में से एक जिसमें 16 गुरु, 32 लघु और 64 द्रुतमात्राएँ होती हैं।

**मोक्ष-विद्या** स्त्री. (तत्.) 1. मोक्षकारिणी विद्या 2. अध्यात्म विद्या।

**मोक्ष-शिला** स्त्री. (तत्.) वह लोक जहाँ जैन साधु-संत या धार्मिक जन मोक्ष का सुख भोगते हैं।